	भौतिक शास्त्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग **जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर** **कृषि मौसम सलाह सेवाएँ** ***(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)***	

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. डी. पी. शर्मा, डी. ई. एस., सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, फल विज्ञान –डॉ. रीना नायर, सब्जी विज्ञान – डॉ. प्रियंका दुबे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आशीष गुप्ता, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. अनिल सिंदे

वर्ष–2021	अंक–63	दिनांक 08 से 12 सितम्बर 2021	दिनांकः 07.09.2021

(जिला जबलपुर के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान घने बादल रहने एवं 123.0 मिमी. वर्षा होने की संभावना है। हवा 11.3 से 14.0 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30.0 से 32.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22.0 से 24.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

मौसमी तत्व /दिनाँक	08/09/2021	09/09/2021	10/09/2021	11/09/2021	12/09/2021
वर्षा (मि.मी.)	17	12	60	21	23
अधिकतम तापमान (डि.से.)	32	32	31	31	30
न्यूनतम तापमान (डि.से.)	24	24	24	22	22
आपेक्षित आद्रता (सुबह)	89	90	95	91	92
आपेक्षित आद्रता (षाम)	68	71	77	75	73
हवा की गति (कि.मी./घण्टा)	14	15.2	14.5	13.5	11.3
हवा की दिशा	पूर्व	दक्षिण–पूर्व	पश्चिम	पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम
बादलों की स्थिति	घने	घने	घने	घने	घने

मौसम आधारित साप्ताहिक कृषि परामर्ष दिनांक 08 से 12 सितम्बर 2021

सामान्य सलाह	• आने वाले 5 दिनों में पूर्वी मध्य प्रदेश के क्षेत्रों में मध्यम वर्षा की संभावना हैं। • दलहनी, तिलहनी एवं सब्जियों के खेतों में सतत निरीक्षण करें एवं बीमारियॉ अथवा कीट दिखने पर निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों की सलाह लें।
धान (वानस्पतिक अवस्था):	• खेत में नमी बनाए रखने के लिए दरारें पड़ने से पहले सिंचाई करें। • खेत में जल संरक्षण करें एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। • फसल में इस समय पत्ता मोड़क या तना छेदक कीटों की सतत निगरानी करें। कीट की निगरानी हेतु फिरोमोन प्रपंच @ 3–4 प्रति एकड़ लगाएं।
सोयाबीन (फूल निकलने से फली वनने की अवस्था):	• पूर्व में बोई फसल पर पीला मोजेक की रोकथाम हेतु रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें, • लपेटा कीट एवं अर्धकण्डलक इल्ली दिखने पर कीटनाशकों का इस्तेमाल कृषि वैज्ञानिकों की सलाह से करें । • सफेद मक्खी /भुनगी के निगरानी एवं नियंत्रण के लिए पीली पटिट्काएँ जगह जगह पर खेतों में लगाएँ । • सोयाबीन की शीघ्र पकने वाली किस्मों में फलियों में दाने भरने की स्थित है। किन्ही क्षेत्रों में फलिया टूटकर कटकर गिर रहीं हैं जो संभवतः चूहों के द्वारा हो रहा है अतः चूहों के नियंत्रण हेतु जिंक फासफाइट मिलाकर आटे की गोलियों को मेड़ों पर या विल के पास रखें । • जिस फसल में फूल आ रहे हैं वहां पर इल्ली से फूलों को बचाने के लिए Indoxacarb 15.8 इसी (350 एमएल प्रति हेक्टेयर) का छिड़काव करें। • पत्ती खाने वाली इल्लियों के नियंत्रण हेतु Thiomethoxim + Lambda-cyhlothrin (125 ml /ha) का छिड़काव करें।
अरहर (वनस्पतिक अवस्था):	• कीटों से पौधों का बचाव करें एवं कीटनाशकों का इस्तेमाल कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिकों की सलाह से करें । • विभिन्न सस्य क्रियाओं द्वारा खरपतवारों को नियंत्रित करें। • खेतों में पक्षियों के बैठने हेतु 'T' आकार की खूटियॉ लगाएँ।
फलदार वृक्ष (फूलीय से फल अवस्था)	• रस चूसक कीटों एवं फल मक्खी से बचाव हेतु निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र से सलाह लें। • वर्षा ऋतु में नए फलदार वृक्षों को गढढ़ों में लगाएँ। • पेड़ों के थालों में खरपतवारों कों नियन्त्रित करें।
सब्जियां	• कददूवर्गीय सब्जियों में Downy mildew से वचाव हेतु Cymoxanil + Mancozeb - 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी अथवा Azoxystrobin + Tebuconazole - 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी को sticker के साथ छिड़काव करें। • दलहनी सब्जियों जैसे बरबटी में सूखा कीट अथवा अधिक तापमान में दीमक लगनेकी संभावना है। सूखा कीट से बचाव हेतु Abamectin 1.9 sc 0.5 मिली लीटर पानी का छिड़काव करें। • माहू के प्रकोप से बचाव हेतु neem soap (1.0 %) अथवा neem seed kernel extract (4.00 %द्ध का छिड़काव करें। • देर से बोनी खरीफ प्याज की नर्सरी लगाएं एवं उचित समय पर बोई प्याज की पौध की रोपाई करें। • लौकी, तोरई, चिचिंडा, कददूँ की रोपाई करें।
पशु एवं मुर्गी पालन	• सभी पशुओं को छाया एवं हवादार जगह में रखें,। • बरसांत के मौसम में पशुओं को हरी घास के साथ, सुखा चारा एवं अनाज भी खिलाए सिर्फ हरी घास खिलाने से पेट में अफरा हो सकता है।

	• पशुओं में ऐसे मौसम में किलनी न होने दे इसलिए परजीवी नाशक दवाई का पशुओं के शरीर एवं बाढ़े के स्प्रे करें। • पशुओं एवं मुर्गियों मे अतः कृमि नशक दवाई पिलाएं।

नोडल आफीसर

दिनांकः 07 सितम्बर 2021